B.A. Part I
P-I (Hons)

महमूद गजनवी (Mahmud Ghazanavi)

महमूद गजनवी का जन्म 1 नवम्बर, 971 ई० को हुआ था। वह सुबुक्तगीन का प्रथम पुत्र था। उसकी माता जबुलिस्तान के एक धनवान सरदार की पुत्री थी। अतः महमूद को जबुली का महमूद भी कहा जाता है। किशोरावस्था में महमूद कई बार अपने पिता के साथ युद्ध किया था और एक कुशल सेनापति का परिचय दे चुका था। मात्र 27 वर्ष की आयु में वह गजनवी वंश का शासक बना और 999 ई० में सासानी वंश के सुल्तान से खुरासान छीन लिया। बगदाद के खलीफा अल-कादिर-बिल्लाह से महमूद को स्वतंत्र शासक की स्वीकृति मिल गयी तथा उसे यमीन-उद-दौला और यमीन-उल-बिल्लाह की उपाधि प्रदान की गई। यमीन उद दौला का अर्थ "साम्राज्य का दाहिना हाथ", तथा यमीन-उल-बिल्लाह का अर्थ 'मुसलमानों का संरक्षक होता है। खलीफा ने महमूद को अपना सैनिक प्रतिनिधि नियुक्त कर प्रति वर्ष उसे भारत पर आक्रमण करने की आज्ञा दी थी। यही कारण है कि महमूद गजनवी ने भारत पर कई बार आक्रमण किया। इतिहासकार हैनरी इलियट के अनुसार उसने 17 बार भारत पर आक्रमण किया था और अन्य विद्वानों के अनुसार 21 बार भारत पर आक्रमण महमूद का हुआ था।